Danik Bhaskar (Indore), 6th November 2026, Page – 06

जगह फाइनल • आईएमडी आगे बढ़ाएगा प्रस्ताव, 22 करोड़ रुपए की लागत से होना है स्थापित

अब IIT परिसर में लगेगा वेदर डॉप्लर राडार 250 किमी क्षेत्र के मौसम की मिलेगी सूचना

नीता सिसौदिया | इंदौर

इंदौर में मौसम की सटीक जानकारी देने के लिए प्रस्तावित वेदर डॉप्लर राडार अब एयरपोर्ट के बजाय आईआईटी परिसर में लगाया जाएगा। इसके लिए परिसर में जगह भी फाइनल कर ली गई है। पहले इसे एयरपोर्ट परिसर में लगाने की योजना बनाई गई थी, लेकिन एयरपोर्ट क्षेत्र में हाईराइज निर्माण पर प्रतिबंध के चलते जगह बदलना पड़ी। करीब 22 करोड़ रुपए की लागत से लगने वाला यह राडार 250 किमी के दायरे में मौसम की निगरानी कर सकेगा।

अब इंडियन मेट्रोलॉजिकल डिपार्टमेंट (आईएमडी) इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाएगा। करीब 10 साल से अटके इस प्रोजेक्ट के लिए जगह तय होने के बाद इसके आगे बढ़ने की उम्मीद है। फिलहाल इंदौर में मौसम की निगरानी के लिए एयरपोर्ट स्थित मौसम विज्ञान केंद्र पर निर्भरता है। यह शहर के पश्चिमी छोर पर है, जबकि शहर का विस्तार पूर्व और उत्तर दिशा में तेजी से हुआ है। ऐसे में कई बार शहर के अलग-अलग हिस्सों में होने वाली बारिश का सही आकलन नहीं हो पाता।

तकनीकी खामियों, टेंडर प्रक्रिया में बदलाव से आगे नहीं बढ़ पाया प्रोजेक्ट

यह प्रोजेक्ट वर्ष 2016 में शुरू होना था, लेकिन तकनीकी खामियों और टेंडर प्रक्रिया में बदलाव के कारण आगे नहीं बढ़ पाया। पहली कंपनी का काम तकनीकी कारणों से निरस्त कर दिया गया। बाद में दूसरी कंपनी को काम दिया गया, लेकिन तटीय क्षेत्रों को प्राथमिकता मिलने के कारण इंदौर में राडार लगाने का काम शुरू नहीं हो सका। मौसम विभाग पहले भी इंदौर को प्राथमिकता में शामिल बता चुका है। अब स्थान बदलने के बाद आईआईटी परिसर में राडार स्थापित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। राडार शुरू होने से शहर और आसपास के क्षेत्रों में मौसम की निगरानी अधिक प्रभावी हो सकेगी।

भास्कर इनसाइट

भारी बारिश, ओलावृष्टि की चेतावनी पहले मिल सकेगी

वर्ष 2008 में भारत मौसम विज्ञान विभाग ने देश के 34 शहरों में डॉप्लर राडार लगाने की योजना बनाई थी। इसके तहत 2014 में भोपाल में राडार स्थापित किया गया। उस समय इंदौर के लिए प्रस्तावित राडार भोपाल शिफ्ट कर दिया गया था और इंदौर को दूसरे चरण में शामिल करने की बात कही गई थी। इसके बाद से प्रोजेक्ट लगातार लंबित चल रहा था। यहां सी-बैंड डॉप्लर राडार लगाया जाना प्रस्तावित है। इसकी निगरानी क्षमता करीब 250 किलोमीटर होगी, जबकि 100 किलोमीटर के दायरे में यह अधिक सटीक पूर्वानुमान दे सकेगा। राडार रेडियो तरंगों के जरिये बादलों की दिशा, गति और घनत्व का आकलन करेगा। इससे भारी बारिश, तेज हवाओं और ओलावृष्टि की चेतावनी पहले मिल सकेगी। किसानों को भी फसल बचाने के लिए समय रहते तैयारी करने में मदद मिलेगी।